

सतिगुरु
श्रीमैगसिचन्द्र जूं महाराज



साईं साहिबजी गोद में युगल सरकार

श्रीभक्त कोकिल-एक महान सन्त

संस्कृत में जैसे 'कोविद्' शब्द का अर्थ है—कौन है इनके समान विद्वान । इसी प्रकार 'कोकिल' शब्द का अर्थ है—कौन है इनके समान मधुर संगीत का गायक । वस्तुतः भक्त कोकिल जी दिव्य भगवद् राज्य के एक पार्षद थे— भगवान् की विशेष सहचरी ! उन्होंने अपने संगीत के रस से शुष्क मरुस्थल को रस गंगा से तर कर दिया । वे भगवान् के विशेष कृपापात्र सेवक, सहचरी, सब कुछ थे । उनके सम्पर्क में जो आया—चाहे वह कितना भी अयोग्य क्यों न हो, भगवान् के सम्मुख कर दिया । विशेष लिखने की आवश्यकता नहीं, उनके प्रिय—वचन, मधुर भाव, भगवत् स्पर्शी ज्ञान आप स्वयं करेंगे और देखेंगे कि आपका जीवन—वन कल्पलता के सरस फलों के आस्वादप से तृप्त हो रहा है । मैं आनन्द पूर्वक उन्हें शुभ आशीर्वाद देता हूँ—

“युग युग जीओं साईं, खीर—खण्डु पीओ साईं ।”

अनन्त विभूषित

श्रीस्वामी अखण्डानन्द जी सरस्वती